जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. शेखर सिंह बघेल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 55
दिनांक 29.03.2022

जनेकृविवि की उत्कृष्टता सिर्फ और सिर्फ छात्र–छात्राओं की बदौलत – डॉ. बिसेन

विवि के इतिहास में पहली बार छात्रों का सर्वांगीण विकास विषय पर 21 दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

जबलपुर 29 मार्च। भारत में कृषि शिक्षा अनुसंधान एवं प्रचार–प्रसार का सबसे बेहतरीन तंत्र है, जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के माध्यम से पूरे राष्ट्र में संचालित हो रहा है, जोकि सुविचारित, सुनियोजित, सुव्यवस्थित एवं सुविकसित कृषि शिक्षा का तंत्र है। जो छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास में पूर्ण सहयोग प्रदान करता है। कुलपति जी ने स्वयं को 24 कैरेट का निरूपित होते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के 5 दशक के कृषि शिक्षा शोध एवं विस्तार के कार्यों का आकलन कर जब आईसीआर ने सरदार वल्लभ भाई पटेल उत्कृष्ट अवार्ड प्रदान किया, वह मेरे हाथों में प्रदान किया गया यह मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं की उत्कृष्टता इस बात से भी पता चलती है कि यहां के पूर्व छात्र राष्ट्र के 6 विश्वविद्यालय के कुलपति हैं। छात्र–छात्राओं के अनुशासन एवं विश्वविद्यालय की गारिमा एवं शान को बढ़ाने में संपूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा प्राप्त करने हेतु छात्र–छात्राओं को आशीर्वाद एवं बधाई दी। इस दौरान प्रमुखता से इस विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रही समस्त बेटियों को साधुवाद दिया। इन बातों का उल्लेख विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहीं। विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम बार विवेकानंद सभागार में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा समन्वयक एवं आयोजक द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास विषय हेतु 21 दिवसीय कार्यक्रम का अनोखा व अति उपयोगी आयोजन किया गया। समापन अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक डॉ. अमित शर्मा ने 21 दिवसीय कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु 5 माड्यूल तैयार किए गए। इसमें मनोविकास व आत्मविश्वास, कृषि तकनीकों उत्कृष्टता, स्वास्थ्य व शारीरिक विकास, उद्यमिता व रोजगार एवं साफ्ट स्किल व सामाजिक दायित्व विषय पर इस 21 दिवसीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के अपने–अपने क्षेत्रों के दिग्गज एवं ख्यातिलब्ध शख्सियत द्वारा व्याख्यान दिए गए।

विश्वविद्यालय के इतिहास में छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उन्नयन हेतु प्रथम बार 21 दिवसीय कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंचासीन संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर डॉ. शरद तिवारी एवं उद्यान शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. पांडे, नाहेप प्रोजेक्ट क्वॉडिनेटर डॉ. आर.के. नेमा की उपस्थिति रही। इसमें विश्वविद्यालय से संबद्ध 10 अन्य 7 कृषि महाविद्यालय (जबलपुर, रीवा, टीकमगढ़, गंजबसौदा, वारासवनी, पवारखेड़ा, खुरई) 2 उद्यानिकी महाविद्यालय (छिन्दवाड़ा, रहली) तथा 1 कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय (जबलपुर) के सैकड़ों छात्र–छात्राओं ने सतत् 21 दिवस हाइब्रिड मोड में कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को 21 दिवस तक संचालन में डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव, डॉ. आशीष निगम, डॉ. धर्मेंद्र नरवरिया, डॉ. विवेक बड़े एवं कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही।

क्या रहा खास –

1. राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय (साउदी अरेबिया) स्तर के 21 एक्सपर्ट ने व्याख्यान दिए।
2. विवि के पूर्व छात्र व व्यवसायी श्री अजय नवेरिया ने स्टार्टअप हेतु आइडियाज मागें व चयनित छात्रों को 1 लाख रूपये मदद की घोषणा की।
3. 10 महाविद्यालयों के 579 कृषि छात्र–छात्राओं की भागेदारी रही।
4. प्राइवेट क्षेत्र में बेहतर प्लेसमेंट हेतु श्री अभय कटेरिया एवं डी.एस.डब्ल्यू कार्य करेंगे।
5. महिला दिवस पर विवि के कुलपति द्वारा महिलाओं का विशेष सम्मान किया गया।

–000–